दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, गुरुवार 28 नवंबर 2024 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-07, अंक- 60

महत्वपूर्ण एवं खास

जम्मू-कश्मीर के अलग-अलग इलाकों में आतंकी नेटवर्क के खिलाफ बड़े छापे, कई गिरफ्तार

श्रीनगर (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी नेटवर्क के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की। इस दौरान कई अलग-अलग इलाकों में छापे मारे गए और लोगों को गिरफ्तार किया गया।पुलिस ने यह छापेमारी विशिष्ट खुफिया सूचनाओं के आधार पर आवासीय घरों और आतंकी ठिकानों पर किया था, जहां से उन्हें हथियार, नकदी, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और दस्तावेज जब्त किए हैं।पुलिस का कहना है कि छापेमारी में बरामद सामग्री की जांच जारी है। छापामारी अभियान को आगे भी जारी रखा जाएगा। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने राजौरी जिले में थानामंडी, दरहाल, कालाकोट, मंजाकोट और धर्मसाल क्षेत्रों में 9 जगह, जबकि पुंछ जिले में सुरनकोट, मंडी, पुंछ, मेंढर और गुरसाई समेत 12 जगह छापे मारे।इसके अलावा उधमपुर में बसंतगढ़ इलाके में राय चक, चाका, कदवाह, मोरहा, कुंड, खानेड, पोनारा, लौधरा और सांग समेत 25 जगह छापामारी अभियान चला।रियासी जिले में पुनी, गुलाबगढ़, अरनास, पनासा, माहौर-चसाना समेत 10 जगह तलाशी ली गई।तलाशी अभियान विभिन्न जिलों में दर्ज अलग-अलग मामलों से जुड़ी है। एक आधिकारिक बयान में बताया गया कि यह छापेमारी आतंकवादी संगठनों को सहायता देने, रसद इंतजाम, भर्ती, हथियारों, गोला-बारूद और धन की आवाजाही सहित आतंकी संगठनों में शामिल ओवर ग्राउंड वर्कर्स (ओजीडब्ल्यू) और आतंकवादी संदिग्धों की पहचान करने, पता लगाने और उन्हें पकड़ने के उद्देश्य से की गई है।पुलिस ने कई ओजीडब्ल्यू और संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया है।बयान में बताया गया कि अभियान सावधानीपूर्वक चलाया गया ताकि किसी निर्दोष नागरिक को समस्या न हो।

तमिलनाडु की ओर बढ़ सकता है चक्रवात फेंगल, भारी बारिश के कारण स्कूल बंद किए गए

चेन्नई (आरएनएस)। तमिलनाडु में चक्रवात फेंगल के पहुंचने की संभावना बढ़ गई है। यह अगले 2 दिनों में श्रीलंका तट से होते हुए तमिलनाडु की ओर बढ़ सकता है।भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) का कहना है कि दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर बन रहे गहरे दबाव का बुधवार को चक्रवात में बदलने की पूरी संभावना है।इसके कारण तमिलनाडु के कई शहरों में भारी बारिश हो रही है। आईएमडी ने गुरुवार तक कई क्षेत्रों में अत्यधिक बारिश की संभावना जताई है। तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई समेत अन्य जिलों में हो रही बारिश को देखते हुए स्कूलों में छुट्टी कर दी गई है।यहां तिरुवल्लूर, तंजावुर, मयिलादुथुराई, पुडुचेरी, कराईकल, चेन्नई, चेंगलपट्टू, तिरुवरुर और कुड्डालोर जिलों में स्कूलों और कॉलेज बंद रहेंगे।इसके अलावा इंडिगो एयरलाइंस ने राज्य के चेन्नई, तूतीकोरिन और मदुरै से आने-जाने वाली उड़ानों के लिए सलाह जारी की है और बताया है कि प्रतिकूल मौसम के कारण उड़ानें प्रभावित हो सकती है। अगर दबाव उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ता रहा तो 27 नवंबर को यह चक्रवात में बदल जाएगा।इसके देखते हुए मौसम विभाग ने 27 नवंबर को 5 जिलों में अत्यधिक बारिश के लिए रेड अलर्ट, 27 से 29 नवंबर तक चेन्नई में येलो अलर्ट और 30 नवंबर तक कांचीपुरम, तिरुवल्लूर और चेंगलपेट सहित पड़ोसी जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।तमिलनाडु के तटीय इलाकों में भी लोगों को सावधान किया गया है। चक्रवात को फेंगल नाम सऊदी अरब की ओर से दिया गया है, जो अरबी भाषा से लिया गया है। पिछले दिनों दाना चक्रवात का नाम कतर ने रखा था। उत्तरी हिंद महासागर में यह इस साल का तीसरा समुद्री तूफान है।बता दें, चक्रवातों के नामों की वर्तमान सूची 2020 में बनी है, जिसमें प्रत्येक सदस्य देश 13 नामों का सुझाव दिया है। इनका बारी-बारी उपयोग होता है।फेंगल के बाद अगले चक्रवात का नाम शक्ति श्रीलंका ने सुझाया है। चक्रवात को देखते हुए जिलों में राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल की 7 टीमें तैनात है। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने उच्च स्तरीय बैठक कर 24 घंटे नियंत्रण केंद्र चलाने और चिकित्सकों को तैयार रहने को कहा है। तूफान का असर पड़ोसी राज्यों में भी दिखेगा।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर दर्दनाक हादसा, सैफई मेडिकल कॉलेज के 5 डॉक्टरों की मौत

लखनऊ | आरएनएस

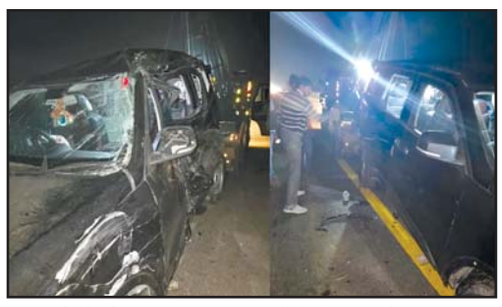

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर आए दिन हादसे होते रहते हैं. बुधवार सुबह भी इस एक्सप्रेस-वे पर एक दर्दनाक सडक़ हादसा हुआ. जिसमें सैफई मेडिकल कॉलेज के पांच डॉक्टर्स की मौत हो गई. जबकि एक घायल हो गया. जानकारी के मुताबिक, हादसा बुधवार तडक़े करीब तीन बजे हुआ. जब डॉक्टरों की गाड़ी डिवाइडर को तोडक़र दूसरी ओर जाकर पलट गई. हादसे में गाड़ी के परखच्चे उड़ गए. बताया जा रहा है कि सभी डॉक्टर स्कॉर्पियो कार में सवार होकर लखनऊ से सैफई जा रहे थे. लेकिन रास्ते में उनके साथ ये हादसा हो गया.

हादसे के बाद सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई. उसके बाद सभी डॉक्टर्स को एंबुलेंस के जरिए अस्पताल लाया गया. जहां डॉक्टरों ने पांच को मृत घोषित कर दिया. जबकि एक डॉक्टर की हालत गंभीर बनी हुई है. बताया जा रहा है कि सभी डॉक्टर सैफई मेडिकल कॉलेज में तैनात थे और मंगलवार रात लखनऊ से सैफई जा रहे थे लेकिन बुधवार तडक़े उनकी कार डिवाइडर से टकरा गई.

बताया जा रहा है कि बुधवार तडक़े करीब तीन बजे आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर कन्नौज के तिर्वा इलाके में ये दर्दनाक हादसा हुआ. जहां एक तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकरा गई, हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई. हादसे में मारे गए लोगों की पहचान सैफई मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों के रूप में हुई है. बताया जा रहा है कि कार में सवार सभी डॉक्टर पीजी के स्टूडेंट थे. हादसे में गंभीर रूप से घायल स्टूडेंट का अभी इलाज चल रहा है.

हादसे में मारे गए डॉक्टर्स की पहचान मुरादाबाद के बुद्ध विहार मझोला योजना नंबर चार, फेस-2, 9बी, 568 निवासी डॉ. जयवीर सिंह (39) पुत्र करण सिंह, आगरा के कमला नगर निवासी डॉ. अनिरुद्ध (29) पुत्र पवन कुमार वर्मा, भदोही के संत रविदास नगर निवासी डॉ. संतोष कुमार (40) मोर्य पुत्र जीत नारायण मौर्य, कन्नौज के मोचीपुर, तेरामल्लू निवासी डॉ. अरुण कुमार (34) पुत्र अंगद लाल, बरेली के बाईपास रोड निवासी डॉ. नरदेव (35) पुत्र राम लखन गंगवार के रूप में हुई है. सभी डॉक्टर स्कॉर्पियो कार से मंगलवार शाम को लखनऊ में एक दोस्त की शादी में शामिल होने पहुंचे थे. वापस आते वक्त ये हादसा हो गया.

कार के आर पार हुई सड़क किनारे की रेलिंग, एक की मौके पर ही मौत

नागपुर (आरएनएस)। नागपुर के कामठी में एक एसा सडक़ हादसा हुआ जिसे देखकर सभी स्तब्ध रह गए। कामठी परिसर के गरुड़ चौक के पास भयंकर हादसा हुआ, जिसमें दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए और एक की मौके पर ही मौत हो गई। दरअसल, कामठी से तीन दोस्त एक कर में सवार होकर नागपुर की ओर जा रहे थे। कार की स्पीड इतनी ज्यादा थी की रेलिंग पर लगी टिन कार को बीच से फाड़ते हुए आर पार हो गई। इस घटना में दो अन्य लोग घायल भी हो गए हैं। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के टक्कर से रेलिंग टूट कर उखड गई और इंजन को चीरती हुई कार के आर पार हो गई। कार की गति इतनी ज्यादा थी कि नियंत्रण छूटते ही कार पूरी तरह बेकाबू होकर हाईवे के किनारे लगी टीन की रेलिंग में जा भिड़ी। रेलिंग का टीन कार के बोनट और इंजन को चीरते हुए बीच से आर पार हो गया। कार में सवार होकर तीन व्यक्ति- रोशन नाइक, आमिर शब्बीर और अभिषेक परमार अपने काम पर जा रहे थे। गरुड़ चौक के पास कार चालक से अनियंत्रित हो गई। नियंत्रण छुटते ही कार बेकाबू होकर गरुड़ रोड डिवाइडर की रेलिंग को तोड़ते हुए चकनाचूर हो गई। उसमें सवार तीनों गंभीर रूप से जख्मी हो गए। हादसा इतना भयंकर था कि तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए। इनमें से रोशन ने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

हिमाचल में दहक रहे कुल्लू के जंगल, लगी है भीषण आग; भारी तादाद में नुकसान

शिमला | आरएनएस

सर्दी के मौसम के शुरू होते ही हिमाचल से आग लगने खबर सामने आई है। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में पहाड़ों पर भीषण आग लगी है जिस कारण वहां के जंगल दहक रहे हैं। इन जंगलों में लगी भयानक आग से बड़ा भुई पंचायत के इलाके के लोगों में दहशत का माहौल हैं। बताया जा रहा है कि अब तक आग से 5 लाख से ज्यादा का नुकसान हो चुका है। आग कैसे लगी, इस बात की जांच की जा रही है। वहीं, आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू कर दिया गया है।

बता दें कि हाल में हिमाचल प्रदेश में आग लगने की दो अलग-अलग घटनाओं में बड़े पैमाने पर संपत्ति का नुकसान हुआ। अधिकारियों ने बताया था कि इन हादसों में किसी की जान नहीं गई। उन्होंने बताया था कि पहली घटना कुल्लू जिले के तियून गांव में शनिवार को हुई थी और आग लगने से चार घर जलकर खाक हो गए थे। इस घटना में से लगभग करीब 80 लाख रुपये का नुकसान हुआ था।

कुल्लू के उप जिलाधिकारी विकास शर्मा ने बताया थी कि स्थिति का आकलन करने और वहां प्रभावित लोगों को राहत देने के लिए जिला प्रशासन की एक टीम घटनास्थल पर भेजी गई। उन्होंने कहा था कि आग लगने के असल वजह का पता लगाया जा रहा है।

अधिकारियों ने बताया थी कि दूसरी घटना शनिवार रात को चंबा जिले के सुरंगानी में राष्ट्रीय जलविद्युत निगम (एनएचपीसी) कॉलोनी में हुई थी, जहां आग लगने से करीब 10 क्वार्टर जलकर खाक हो गए। उन्होंने बताया था कि शॉर्ट सर्किट वजह से आग लगी थी, जो तेजी से क्वार्टर में फैल गई जिससे बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ।

पेंशनधारियों को जारी किए गए डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्रों की संख्या रिकॉर्ड 1 करोड़ के पार

नई दिल्ली | आरएनएस

पेंशनधारियों और बुजुर्ग नागरिकों की सुविधा के लिए शुरू किए गए डिजिटल जीवन प्रमाण-पत्रों (डीएलसी) की संख्या ने अभियान डीएलसी 3.0 के तहत एक करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने हाल ही में यह जानकारी दी।

कार्मिक,लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय में राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा, यह मील का पत्थर बुजुर्ग नागरिकों के लिए जीवन को आसान बनाने में एक लंबा रास्ता तय करेगा और पीएम नरेंद्र मोदी के विजन को पूरा करेगा, जैसा कि उन्होंने पिछले रविवार को मन की बात के हालिया एपिसोड में व्यक्त किया था।

मन की बात के 116वें एपिसोड में पीएम मोदी ने कहा था, अब डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र की सुविधा मिलने से चीजें बहुत सरल हो गई हैं; बुजुर्गों को बैंक जाने की जरूरत नहीं है। बुजुर्गों को तकनीक के कारण किसी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ता। बुजुर्गों को तकनीक के प्रति जागरूक बनाने जैसे प्रयासों से डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र पाने वालों की संख्या 80 लाख के आंकड़े को पार कर गई है। इनमें से 2 लाख से ज्यादा ऐसे बुजुर्ग हैं जिनकी उम्र 80 साल से भी ज्यादा हो गई है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, पेंशनभोगियों के डिजिटल सशक्तिकरण के लिए पीएम मोदी का विजन डीएलसी अभियान 3.0 के सफल क्रियान्वयन के जरिए साकार हो रहा है।

सभी प्रमुख हितधारक - पेंशन वितरण करने वाले बैंक, पेंशन और पेंशनभोगी कल्याण विभाग, रक्षा लेखा महानियंत्रक, रेल मंत्रालय, दूरसंचार विभाग, डाक विभाग, आईपीपीबी, यूआईडीएआई और पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन पेंशनधारियों के डिजिटल सशक्तिकरण के विजन को साकार करने के लिए पूरी सरकार के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री ने पेंशनधारियों के डिजिटल सशक्तिकरण के लिए दिल्ली स्थित राष्ट्रीय मीडिया सेंटर से राष्ट्रव्यापी डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र अभियान 3.0 का शुभारंभ किया।

डीएलसी अभियान 3.0 एक से 30 नवंबर तक देश भर के 800 शहरों और कस्बों में आयोजित किया जा रहा है। 1 से 25 नवंबर तक 1,984 शिविर आयोजित किए गए हैं और देश भर में 1.8 लाख डाकियों को तैनात किया गया है।

डीएलसी अभियान 3.0 के तहत फेस ऑथेंटिकेशन के माध्यम से जमा किए गए डीएलसी में 202 गुना वृद्धि हुई है।

इस अभियान के तहत दिल्ली में 3, बेंगलुरु और हैदराबाद में 1-1 मेगा कैंप आयोजित किए गए हैं।

समुद्री संकट में बचाव का अभ्यास करेंगे भारतीय तटरक्षक बल

नई दिल्ली | आरएनएस

भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) समुद्र में फंसे लोगों को बचाने का एक महत्वपूर्ण अभ्यास करने जा रहा है। यह अभ्यास 28 से 29 नवंबर तक केरल के कोच्चि में आयोजित किया जाएगा। इस अभ्यास में आईसीजी के अलावा नौसेना, भारतीय वायु सेना व बंदरगाह प्राधिकरण भी शामिल होंगे। इस दौरान यहां एक विशेष कार्यशाला भी आयोजित की जाएगी। इस कार्यक्रम का उद्घाटन रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह करेंगे। इसमें भारतीय तटरक्षक (आईसीजी) के महानिदेशक एस. परमेश भी होंगे जो राष्ट्रीय समुद्री खोज और बचाव समन्वय प्राधिकरण भी हैं।

अभ्यास के दौरान 500 यात्रियों वाले जहाज पर संकट की मॉक ड्रिल होगी। जबकि दूसरे परिदृश्य में 200 यात्रियों वाले विमान को नीचे उतारा जाएगा। समुद्री अभ्यास में संकटग्रस्त यात्रियों को निकालने के विभिन्न तरीके शामिल होंगे। इसमें उपग्रह-सहायता प्राप्त संकट संकेत-दीप, जीवन रक्षक प्रणाली तैनात करने के लिए ड्रोन, हवा से गिराए जाने वाले जीवन रक्षक राफ्ट, रिमोट नियंत्रित जीवन रक्षक प्रणाली के संचालन का उपयोग करके अत्याधुनिक तकनीक को प्रदर्शित किया जाएगा। यह अभ्यास न केवल संचालन की दक्षता और समन्वय का मूल्यांकन करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, बल्कि यह तटीय क्षेत्र और मित्र देशों के साथ सहयोगात्मक जुड़ाव पर भी केंद्रित है।

इस कार्यक्रम का विषय होगा क्षेत्रीय सहयोग के माध्यम से खोज और बचाव क्षमताओं को बढ़ाना। यह भारतीय खोज, बचाव और उससे भी आगे बढक़र स्थान, राष्ट्रीयता या परिस्थितियों की परवाह किए बिना बड़े पैमाने पर आकस्मिक हालात में सहायता प्रदान करने का अभ्यास है, जो आईसीजी की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

राष्ट्रीय समुद्री खोज और बचाव बोर्ड के तत्वावधान में यह पूरा कार्यक्रम किया जा रहा है। कार्यक्रम के पहले दिन गुरुवार को टेबल-टॉप अभ्यास, कार्यशाला और सेमिनार आयोजित किया जाएगा। इसमें सरकारी एजेंसियों, मंत्रालयों तथा सशस्त्र बलों के वरिष्ठ अधिकारी और विदेशी प्रतिनिधियों की भागीदारी होगी। दूसरे दिन, आकस्मिक हालात के मद्देनजर कोच्चि तट पर बड़े पैमाने पर दो समुद्री अभ्यास किए जाएंगे। इसमें आईसीजी, नौसेना, भारतीय वायु सेना के जहाज और विमान, कोचीन बंदरगाह प्राधिकरण के यात्री जहाज और सीमा शुल्क विभाग की नावें भाग लेंगी।

रक्षा मंत्रालय का कहना है कि पिछले कुछ वर्षों में, आईसीजी एक प्रमुख समुद्री एजेंसी के रूप में उभरी है। यह एक स्थायी और प्रभावी समुद्री खोज और बचाव संरचना की दिशा में सरकार के प्रयासों को सही दिशा में आगे बढ़ा रही है। हिंद महासागर क्षेत्र में समन्वय के लिए इंडियन ओशन रिम एसोसिएशन के सदस्य देशों के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इसके अलावा, आईसीजी को हिंद-प्रशांत क्षेत्र में एसएआर गतिविधियों के लिए एक नोडल एजेंसी के रूप में नामित किया गया है। समुद्री सुरक्षा पहलू पर आईसीजी का बढ़ता ध्यान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समुद्री क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा और विकास (सागर) के दृष्टिकोण के साथ तालमेल बिठाते हुए भारत की वैश्विक जिम्मेदारी को मजबूत करने में एक लंबा रास्ता तय करेगा।

पूजा स्थलों की सुरक्षा और कानून से संबंधित याचिका पर सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

नईदिल्ली | आरएनएस

देश के विभिन्न हिस्सों में मंदिर और मस्जिदों का विवाद बढ़ता चला जा रहा है। हाल ही में कोर्ट के आदेश के बाद उत्तर प्रदेश के संभल जिले में स्थित जामा मस्जिद का सर्वेक्षण किया गया जिसके बाद भयंकर हिंसा फैल गई। इन सब के बीच अब सुप्रीम कोर्ट ने पूजा स्थलों की सुरक्षा एवं 1991 में बने कानून से संबंधित याचिका पर सुनवाई का संकेत दिया है। आइए जानते हैं कि क्या है पूरा मामला और कब होगी इसपर सुनवाई।

सुप्रीम कोर्ट में पूजा स्थलों की सुरक्षा एवं 1991 में बने कानून से संबंधित दायर की गई याचिका पर आगामी महीने यानी 4 दिसम्बर को सुनवाई का संकेत दिया है। भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ इस महत्वपूर्ण मामले की सुनवाई करेगी।

पूजा स्थलों की सुरक्षा एवं 1991 में बने कानून से संबंधित याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना, जस्टिस पी नरसिम्हा और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच सुनवाई करेगी। केस में याचिकाकर्ता के रूप में जमीअत उलमा-ए-हिंद और गुलजार अहमद नूर मोहम्मद आजमी का नाम लिस्टेड है। इनके वकील एजाज मकबूल कोर्ट के सामने पक्ष रखेंगे।

देश में 1991 के पूजा स्थल कानून में प्रावधान किया गया था कि स्वतंत्रता के समय जो धार्मिक स्थल जिस स्वरूप में था उसे वैसे ही बरकरार रखा जाएगा। उपासना स्थल कानून ऐसा कानून है जो 15 अगस्त 1947 को मौजूद किसी भी उपासना स्थल के स्वरूप को बदलने पर पाबंदी लगाता है।

संभल हिंसा में हुई मौतों की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में खुलासा, देसी बंदूक से लगी गोली

संभल | आरएनएस

उत्तर प्रदेश के संभल में मस्जिद सर्वेक्षण के दौरान शुरू हुई सांप्रदायिक हिंसा में 4 लोगों की गोली लगने से मौत हुई है, जिसकी पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आ गई है।पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में बताया गया कि प्रदर्शनकारियों की मौत पुलिस की गोली से नहीं बल्कि देसी बंदूक की गोली लगने से हुई है।रिपोर्ट में 315 बोर की गोलियों से चोट लगने का पता चला है, जो आमतौर पर देसी पिस्तौल से चलाई जाती है।

सूत्रों का कहना है कि उन्होंने अपनी बंदूकों से 9 एमएम की गोलियां इस्तेमाल की थी, जिसका पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में जिक्र नहीं है।पुलिस का कहना है कि रविवार को इलाके में कई घरों से गोलीबारी हुई थी। उन्होंने हिंसा और उसके बाद की तलाशी के दौरान कई देसी पिस्तौल बरामद की है।संभल के डिविजनल कमिश्नर अंजनेय कुमार सिंह ने भी देसी पिस्तौल से गोली लगने की बात स्वीकार की है और पुलिस की गोली से इंकार किया है।

हिंसा के बाद संभल में सामान्य स्थिति फिर से लौट रही है। स्कूल खोल दिए गए हैं और रोजमर्रा की जरूरत की दुकानें भी खुल रही हैं।अभी संभल तहसील में इंटरनेट सेवा को बहाल नहीं किया गया है। प्रमुख चौराहों और बाजारों में पुलिस बल और रैपिड एक्शन फोर्स तैनात है और स्थिति पर नजर रखी जा रही है।इस बीच हिंदु और मुस्लिम समुदायों ने सांप्रदायिक सद्भाव को दोबारा बनाने का आह्वान किया है।

संभल में हुई हिंसा के लिए पुलिस ने समाजवादी पार्टी के सांसद जिया उर रहमान बर्क के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। आरोप है कि उनके भडक़ाऊ बयानों से हिंसा फैली थी।पुलिस ने समाजवादी पार्टी के स्थानीय विधायक के बेटे समेत कुल 800 लोगों को भी आरोपी बनाया है। अभी 25 से अधिक लोग गिरफ्तार हुए हैं।सांसद बर्क ने पुलिस पर हिंसा को साजिश के तहत भडक़ाने और लोगों की हत्या का आरोप लगाया है।

संभल में 19 नवंबर से तनाव की स्थिति है। दरअसल, स्थानीय कोर्ट ने जामा मस्जिद के सर्वेक्षण का आदेश दिया था। याचिका में दावा था कि मस्जिद के स्थान पर हरिहर का मंदिर है।रविवार को सुबह 7:30 बजे वकील और कमिश्नर सर्वेक्षण के लिए पहुंचे थे। तभी मस्जिद के बाहर भीड़ जमा होने लगी और हंगामा शुरू कर दिया।दरसअल, मस्जिद का एक सर्वे हो चुका था और यह दूसरा सर्वे था, जिससे लोग नाराज थे। तभी तनाव बढ़ा।

पुलिस ने की 27 आरोपियों की गिरफ्तारी, 74 दंगाइयों की हुई पहचान, तस्वीरें जारी

संभल में हुई हिंसा में अबतक कोई लोगों की मौत हो गई है। इस मामले पर नेताओं द्वारा राजनीतिक रोटी भी सेकी जा रही है। इस बीच पुलिस इस मामले की जांच में जुटी हुई है। इसी कड़ी में अबतक पुलिस ने 74 आरोपियों की पहचान है, जिनकी तस्वीरों को जारी किया गया है। वहीं अबतक 27 आरोपियों की गिरफ्तारी की जा चुकी है। हालांकि जिन 74 आरोपियों की पहचान की गई है, वे अब भी फरार हैं, जिनकी तलाश जारी है। इन फरार दंगाइयों की तस्वीरों को यूपी पुलिस द्वारा जारी कर दिया गया है।

पुलिस ने जिन आरोपियों की पहचान की है, उनकी तलाशी के लिए पुलिस जगह-जगह छापेमारी कर रही है। बता दें कि संभल में हुई हिंसा के दौरान के कई वीडियो भी सामने आए हैं। बता दें कि पुलिस फिलहाल इस मामले में अलग-अलग एंगल से मामले की जांच कर रही है। पुलिस जब्त मोबाइलों के डेटा को खंगाल रही है। उपलब्ध डेटा और डंप डेटा को भी रिकवर किया जा रहा है, ताकि पता किया जा सके कि दंगा क्या पहले से सुनियोजित थी। वहीं पुलिस मोबाइल नेटवर्क, डेटा, सोशल मीडिया, सीसीटीवी फुटेज, ड्रोन फुटेज इत्यादि की जानकारी जुटाई जा रही है।